बी.ई.सी.सी. - 103

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स) कार्यक्रम

(बी.ए.ई.सी.एच)

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्र हेतु)

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.- 103

प्रारंभिक समष्टि अर्थशास्त्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली -110 068

बी.ई.सी.सी.- 103
प्रारंभिक समष्टि अर्थशास्त्र

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 सत्रीय कार्य करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.–103 प्रारंभिक समष्टि अर्थशास्त्र** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांक में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें। पूरा किया गया सत्रीय कार्य **अपने अध्ययन केंद्र के संचालक** के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

जुलाई 2024 चक्र के विद्यार्थियों के लिए:	**31.03.2025**
जनवरी 2025 चक्र के विद्यार्थियों के लिए:	**30.09.2025**

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखें। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ.साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ,
अर्थशास्त्र संकाय

बी.ई.सी.सी.–103 : प्रारंभिक समष्टि अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम कोडः– बी.ई.सी.सी.- 103
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / बीईसीसी–103 / 2024–25

कुल अंकः100

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है। **20 × 2 = 40**

1) शास्त्रीय (क्लासिकल) अर्थशास्त्रीयों द्वारा सुझाई गई अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। उत्पादन, कीमतों ओर रोजगार के संबंध में इसके क्या निहितार्थ है?
2) IS और LM वक्रों की व्युत्पत्ति कीजिए। एक अर्थव्यवस्था वास्तविक क्षेत्र और मौद्रिक क्षेत्र दोनों में संतुलन कैसे प्राप्त करती है?

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है। **10 × 3 = 30**

3) केंसियन प्रतिमान में समग्र मांग के घटक क्या है? समझाइये कि केंसियन प्रतिमान में एक अर्थव्यवस्था संतुलन कैसे प्राप्त करती है?
4) स्पष्ट कीजिए कि केंसियन प्रतिमान में उत्पादन का संतुलन स्तर कैसे निर्धारित किया जाता है?
5) मौद्रिक नीति के उपस्करों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। 6 × 5 = 30

6) एक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के कारणों की व्याख्या कीजिए।
7) एक त्रिक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के लिए निम्नलिखित दिया हुआ है :

   $C = 60 + 0.8Y$, I =50, $G = 20$ जहाँ C = उपभोग, I = निवेश, G = सरकारी व्यय

   उत्पादन का संतुलन स्तर ज्ञात कीजिये।
8) मूल्य वृद्धि की अवधारणा को एक उदाहरण सहित समझाइए।
9) मंदी के दौरान सरकार को किस प्रकार की राजकोषीय नीति अपनानी चाहिए? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए।
10) एक अर्थव्यवस्था में मुद्रा के कार्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।